Shri K. C. Sodhia: What is the percentage price of these 90 imported items?

Shri Alagesan: The percentage may be a little more than what the number of items represent. As it is, I am not able to give the actual percentage of cost; it is not much.

Shri T. S. A. Chettiar: How does the cost of engines compare as compared with the imported engines?

Shri Alagesan: As far as indigenous cost is concerned our price has now become almost equal to the imported price. If we increase the manufacture, it is bound to go down.

Shri T. B. Vittal Rao: May I know at what stage is the proposal to step up the production of this Chittaranjan Factory from 120 to 150? May I also know whether we are manufacturing at Chittaranjan only goods locomotives or passenger locomotives as well?

Shri Alagesan: Both locomotives are being manufactured and we are pursuing the question of increasing the production target.

रेलों पर भोजन व्यवस्था

*१०२४. **श्री एम० एन० सिंह :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यात्रियों को, रेलों पर ठेकेदार और भोजन की व्यवस्था करने वाले भिन्न भिन्न स्थानों पर एक सा ही भोजन भिन्न भिन्न दरों पर देते हैं ?

(ख) क्या इन भोजनों के लिये कोई निर्धारित दरें हैं; और यदि हां, तो वे क्या हैं; और

(ग) क्या भोजन की किस्म और मात्रा के सम्बन्ध में कोई विशेष निर्देश हैं ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभासचिव (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (ग) उपाहार गृहों से दिये गये हिन्दुस्तानी ढंग के भोजन का स्तर १-६-५४ से एकसा कर दिया गया है । सदन में जो विवरण दिया गया है उसमें भोजन की सूची और उनके दाम दिये गये हैं । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबंध संख्या ६१] रेस्तोरां, रेस्तोरांयान, भोजन-यान या बुफे-यान से दिये जाने वाले भोजन की दर को एक स्तर पर लाने के प्रश्न पर विचार हो रहा है । कुछ मदों को छोड़ कर जिनका ब्यौरा और जिनकी किस्म सूची में दे दी जाती हैं, प्रामाणिक भोजन सूची में केवल परसी जाने वाली तश्तरियों के नाम दिये जाते हैं । भोजन की किस्म के बारे में कोई बात निर्धारित नहीं की गयी है, लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाता है कि किसी विशेष क्षेत्र के लोगों की रुचि के अनुसार अच्छा भोजन देने की व्यवस्था जारी रखी जाय ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या संसद् सचिव को यह मालूम है कि एक ही कीमत पर विभिन्न स्टेशनों पर जो आप के ठेकेदार हैं वह ऐसा भोजन मुसाफिरों को देते हैं जो खाने के योग्य नहीं होता है और उनकी कीमत हर स्टेशन पर एक ही होती है जब कि भोजन में फर्क होता है और अगर ऐसी बात है तो इस को रोकने का कौन सा प्रबन्ध किया है ?

श्री शाहनवाज खां : हमें कभी कभी ऐसी शिकायतें मिलती हैं कि जो भोजन स्टेशनों पर मिलता है वह बहुत अच्छा नहीं होता है । जो जो शिकायत मिलती हैं उस पर गहरा विचार किया जाता है और मुनासिब कार्यवाही की जाती है । एक स्टैन्डर्ड मीनु बनाया गया है जिसमें करीब सारी रेलवेज पर एक ही कीमत पर एक ही किस्म का खाना देने का बन्दोबस्त किया गया है ।

श्री टी० बी० विट्ठल राव : मैं यह मालूम करना चाहता हूं कि जो अलगेशन कमिटी की सिफारिशें थीं वह कहां तक अमल में लाई गई ?

श्री शाहनवाज खां : अलगेशन कमिटी की जो सिफारिशात थीं वह इस वक्त आनरेबल मिनिस्टर के जेर गौर हैं ।